



पिछले 30 दिनों में भारत की कूटनीति ने नई ऊंचाइयां छुई : प्रधानमंत्री

जब आप जैसे युवा किसी आयोजन को सफल बनाने की जिम्मेदारी लेते हैं, तो वह सफल हो जाता है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारत की कूटनीतिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 30 दिनों में भारत की कूटनीति ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। भारत के प्रयासों से छह और देश ब्रिक्स समुदाय में शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री आज भारत मंडपम में जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने भारत की जी 20 अध्यक्षता से जुड़ी चार पुस्तकों का भी विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले 30 दिनों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। उन्होंने



कहा कि पिछले 30 दिनों में रोजगार मेले के माध्यम से 1 लाख से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियां दी गई हैं। नए संसद भवन में महिला आरक्षण को लेकर बिल पारित हुआ, जिसने देश को गर्व से भर दिया।

एससी, एसटी, ओबीसी, गरीबों, मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की गईं। सरकार ने कारीगरों के लिए पीएम

विश्वकर्मा योजना शुरू की। उन्होंने चंद्रयान-3 मिशन के सफल प्रक्षेपण की सराहना की, जिसने भारत को चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बना दिया। मोदी ने कहा कि 23 अगस्त को जब यह घोषणा की गई कि "भारत चंद्रमा पर है" तो पूरी दुनिया ने भारत की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि पिछले 30 दिन के घटनाक्रम पर एक नजर डालने से नए भारत की स्पीड और स्केल का पता चलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने जिस स्तर पर जी20 की मेजबानी की, उससे दुनिया आश्चर्यचकित है लेकिन मैं आश्चर्यचकित नहीं हूं, क्योंकि जब आप जैसे युवा किसी आयोजन को सफल बनाने की जिम्मेदारी लेते हैं, तो वह सफल हो जाता है। मोदी ने दो सप्ताह पहले भारत की मेजबानी में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन को एक जीवंत और

सफल आयोजन बनाने के लिए युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम जी20 की अध्यक्षता को एक राजनयिक और दिल्ली-केंद्रित मामला तक सीमित कर सकते थे।

हालांकि, भारत ने इसे लोगों द्वारा संचालित राष्ट्रीय आंदोलन बना दिया। दिल्ली घोषणापत्र पर सर्वसम्मति वैश्विक सुखियां बनीं। जी20 के कुछ निर्णय 21वीं सदी की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी अरब भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने पिछले 30 दिनों में 85 विश्व नेताओं के साथ बैठकें की हैं। उन्होंने कहा कि आज के ध्रुवीकृत अंतरराष्ट्रीय माहौल में इतने सारे देशों का एक मंच पर आना कोई छोटी बात नहीं है। उन्होंने युवाओं से भारत की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने और देश और दुनिया

के लिए बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में काम करने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, 'युवा केवल वहीं प्रगति कर सकते हैं जहां आशावाद, अवसर और खुलापन हो।

आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हम रिकॉर्ड समय में दसवें स्थान से बढ़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि वह भारत को तीसरे पायदान पर पहुंचा कर रहेंगे। विकास यात्रा जारी रखने के लिए स्वच्छ, स्पष्ट और स्थिर शासन आवश्यक है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "मैं हैरान हूं कि इन दिनों मुझे पर यह आरोप लग रहा है कि मोदी लोगों को जेल भेज रहे हैं। आप ही बताइए, जो व्यक्ति देश की संपत्ति चुराता है, उसे कहां जाना चाहिए? उन्हें जेल में होना चाहिए, लेकिन कुछ लोग इससे परेशान हैं।"

आज छत्तीसगढ़ की पहचान 'अपराध के अड्डे' के रूप में की जाती है : मीनाक्षी

रायपुर। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने आज बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के परिवर्तन की चमक यहां महसूस की जा सकती है क्योंकि पूरे राज्य में अंधेरा है। 15 वर्ष की भाजपा सरकार में इस राज्य ने जो कमाया था, उसे कांग्रेस ने पांच साल में लूट लिया है।

भाजपा शासन के दौरान सुशासन के लिए जाना जाने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान अब 'अपराध के अड्डे' के रूप में की जाती है। लेखी ने कहा कि राहुल गांधी रोड से और ट्रेन से यात्रा कर पा रहे हैं, तो वह इसलिए क्योंकि सुरक्षा का माहौल है। वह ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं तो केंद्र सरकार का ही एडवर्टाइजमेंट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि



केंद्र सरकार ने तीन करोड़ बेघरों को घर दे दिया है, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार गरीब और बेघरों को आवास में राज्यांश नहीं दे रही है। मीनाक्षी लेखी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'लबरा' (झूठा) और जोर से बोलने वाला बताया। भाजपा की परिवर्तन यात्रा में शामिल होने बेलतरा विधानसभा क्षेत्र पहुंची मीनाक्षी ने कहा कि हर जगह जमीन से आवाज आ रही है। पीएससी, गोबर घोटाला किसानों के नाम

पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि बटन तो मोदी जी दबाते हैं, इनकी सरकार तो खेती बंद करने की बात करती थी। मोदी सरकार में किसानों की बजट बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ की जनता भोली-भाली है लेकिन अज्ञानी नहीं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों को किसान सम्मान निधि दे रही है। इससे पहले किसी भी सरकार ने किसान सम्मान निधि नहीं दी थी। उन्होंने छत्तीसगढ़ को खोखला कर दिया और अपना खाता भर लिया। 70 साल में उन्होंने छत्तीसगढ़ ही नहीं, कई राज्यों और देश को खोखला कर दिया है। लबरा और बबड़ा दोनों ही बहुत झूठ बोलते हैं।

आतंकवाद पर दोहरा रवैया और मनमाने नियम थोपने के दिन लद गए : विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा और पश्चिमी देशों को स्पष्ट संदेश देते हुए संयुक्त राष्ट्र में कहा कि राजनीतिक नफा-नुकसान के आधार पर आतंकवाद के बारे में रवैया तय नहीं किया जाना चाहिए। वे दिन लद गए हैं जब कुछ देश नियम-कानून तय करते थे तथा उन्हें दूसरे देशों पर थोप देते थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम चर्चा में 'नमस्ते फ्रॉम भारत' से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान और दूसरों देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर दोहरा रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या के बाद कनाडा और भारत के बीच जारी टकराव की सीधे रूप से चर्चा करते हुए उन्होंने



कहा कि नियमों और कानूनों का पालन करना सभी देशों पर समान रूप से लागू होता है। उन्होंने कहा कि आजकल नियम आधारित विश्व व्यवस्था की अकसर चर्चा होती है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करने की दुहाई भी दी जाती है, लेकिन इस प्रलाप के बावजूद यह एक सच्चाई है कि कुछ देश एजेंडा और उसके नियमों को भी तय करते हैं। यह ढर्रा अनिश्चितकाल तक के लिए नहीं चल सकता और इन्हें चुनौती भी दी जा सकती है।

महाराष्ट्र के सीएम शिंदे का विदेश दौरा अचानक से हुआ रद्द, विपक्ष ने बताया था 'हॉलिडे टूर'

बीएनएम@मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आठ दिवसीय विदेश दौरा अचानक रद्द कर दिया गया है। इससे राजनीतिक हलके में जोरदार चर्चा गरमाने लगी है। विपक्ष ने पहले ही मुख्यमंत्री के विदेश दौरे को पैसे की बर्बादी कहकर इसे 'हॉलिडे टूर' बताया था। मुख्यमंत्री शिंदे 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक जर्मनी और ब्रिटेन की यात्रा पर जाने वाले थे।

यात्रा के दौरान जर्मनी में आधुनिक सड़क प्रौद्योगिकी का निरीक्षण करने और ब्रिटेन में निवेश पर चर्चा की योजना बनाई गई थी, लेकिन सरकार ने आज साफ कर दिया है कि ये दौरा रद्द कर दिया गया है। प्रशासन के सूत्रों ने कहा है कि यह फैसला फिलहाल लिया गया



है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से मुख्यमंत्री के दौरे की योजना बनाई जाएगी। बताया जा रहा है कि इस समय विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावेंकर शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले की सुनवाई शुरू कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सीएम शिंदे का दौरा अचानक रद्द कर दिया गया है।

सोहरत

अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में शामिल करना बहुत बड़ा संदेश है।

एथलीटों को वीजा न देने का चीन का भेदभावपूर्ण रवैया बर्दास्त नहीं: ठाकुर

शिमला। अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशू एथलीटों को 19वें एशियाई खेलों के लिए वीजा न देने पर केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन पर निशाना साधा है। अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को शिमला में कहा कि चीन का भेदभावपूर्ण रवैया बर्दास्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ओलंपिक चार्टर के अनुसार वीजा मिलना चाहिए था, जो भेदभाव किया गया वो मुझे मंजूर नहीं है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत न झुका है न झुकेगा। भारत ने जी-20 के सम्मेलन का सफल आयोजन किया है।

अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में शामिल करना बहुत बड़ा संदेश है। हिमाचल में आई आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के

प्रदेश सरकार के विधानसभा में पास किए गए प्रस्ताव पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र ने प्रदेश की हरसंभव सहायता की है। इसके आकलन के लिए टीम भेजी गई। अब तक 862 करोड़ की सहायता दी गई। मनरेगा का पैसा और 2700 करोड़ सड़कों के निर्माण के लिए दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जवाब दे कि आपदा में अपना कितना पैसा खर्च किया है। ठाकुर ने नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि मोदी सरकार ने इस विधेयक को दोनों सदन में पास करवा दिया है।

देश महिला और सविधान विरोधी कांग्रेस के अनुसार नहीं बल्कि संविधान के अनुसार चलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नारी शक्ति

वंदन विधेयक को मोदी सरकार लेकर आई और पास भी करवाया। दिखावे के लिए कांग्रेस भी लेकर आई लेकिन पास नहीं कर पाई। विपक्ष के द्वारा इस बिल को लेकर उठाए जा रहे सवाल पर अनुराग ने कहा कि संविधान के अनुसार ही 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। 2024 के चुनावों के बाद डिलीमिटेशन कमीशन बैठेगा। इसे लागू करने के लिए संविधान में संस्थाएं हैं। देश राहुल गांधी की सोच से नहीं चलेगा। देश गांधी परिवार की पचीं से नहीं बल्कि बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान से चलेगा। कांग्रेस ने बाबा साहब को अपमानित कर बाहर निकाला और नेहरू ने उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी। कांग्रेस आज संविधान का अपमान कर रही है।

सितम्बर से शुरू होगा पितरों के प्रति कृतज्ञता जताने का अमृतकाल "पितृपक्ष"

बेगूसराय। पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला पितृपक्ष 29 सितम्बर (शुक्रवार) को अगस्त मुनि को जल देने के साथ शुरू हो जाएगा। शास्त्रों के अनुसार जिनका निधन हो चुका है, वे सभी पितृ पक्ष के दिनों में अपने सूक्ष्म रूप के साथ धरती पर आते हैं तथा परिजनों का तर्पण स्वीकार करते हैं, प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। 29 सितम्बर को अगस्त मुनि का तर्पण करने के बाद 30 सितम्बर से लोग अपने पितरों-पूर्वजों को याद करते हुए तर्पण करेंगे। इसके बाद पिता के मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध तर्पण करेंगे।

पितृ पक्ष 29 सितम्बर से 14 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें सभी तिथि का अपना अलग-अलग महत्व है। लेकिन पितृ पक्ष में पूर्णिमा श्राद्ध, महाभरणी श्राद्ध और सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व तथा एकादशी तिथि को दान सर्वश्रेष्ठ होता है। इस वर्ष पूर्णिमा श्राद्ध 29 सितम्बर को, प्रतिपदा एवं द्वितीया श्राद्ध 30



सितम्बर, तृतीय श्राद्ध एक अक्टूबर, चतुर्थ श्राद्ध दो अक्टूबर, पंचमी श्राद्ध तीन अक्टूबर, षष्ठी श्राद्ध चार अक्टूबर, सप्तमी श्राद्ध पांच अक्टूबर, अष्टमी श्राद्ध छह अक्टूबर, नवमी श्राद्ध (मातृ नवमी) सात अक्टूबर, दशमी श्राद्ध आठ अक्टूबर, एकादशी श्राद्ध (मघा श्राद्ध) दस अक्टूबर को होगा। द्वादशी श्राद्ध, संन्यासी, यति, वैष्णव जनों का श्राद्ध 11

अक्टूबर को, त्रयोदशी श्राद्ध 12 अक्टूबर तथा चतुर्दशी श्राद्ध एवं शक्रादि से मृत लोगों का श्राद्ध 13 अक्टूबर को होगा। इसके बाद 14 अक्टूबर को पितृ पक्ष के 16 वैदिन अमावस्या तिथि को अमावस्या श्राद्ध, अज्ञात तिथि में मृत का श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या एवं पितृ विसर्जन के साथ ही महालया का समापन हो जाएगा। सुहागिन महिलाओं के निधन की तिथि

ज्ञात नहीं रहने पर नवमी तिथि को उनका श्राद्ध होगा। अकाल मृत्यु अथवा अचानक मृत्यु को प्राप्त पूर्वजों का श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को होगा। यदि पितरों की मृत्यु तिथि का पता नहीं हो तो अमावस्या के दिन उन सबका श्राद्ध करना चाहिए। इसलिए पितरों की आत्म तृप्ति के लिए हर वर्ष भाद्रपद की पूर्णिमा तिथि से आश्विन की अमावस्या तक पितृपक्ष होता है।

पंडित आशुतोष झा ने बताया कि पितृपक्ष में किये गए दान-धर्म के कार्यों से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है, कर्ता पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों में कहा गया है कि पितरों का पिंड दान करने वाला गृहस्थ दीर्घायु, पुत्र-पौत्रादि, यश, स्वर्ग, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पशु, सुख-साधन तथा धन-धान्य आदि की प्राप्ति करता है। श्राद्ध में पितरों को आशा रहती है कि उनके पुत्र-पौत्रादि पिंड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे, इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वीलोक पर आते हैं।

राज्य सरकार ने नौ आईएसएस अधिकारियों के तबादले किए

पटना। राज्य सरकार ने राज्य में नौ आईएसएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गयी है। जमुई के जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह को स्थानांतरित कर मुंगेर का डीएम बनाया गया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार को शिवहर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वर्तमान डीएम 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसके बाद पंकज कुमार वहां के डीएम बनेंगे। सचिवालय में संयुक्त सचिव राकेश कुमार को जमुई डीएम के तौर पर पदस्थापित किया गया है। मध्याह्न भोजन निदेशक मिथिलेश मिश्रा को प्राथमिक शिक्षा निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुंगेर के डीएम नवीन कुमार को रोहतास जिलाधिकारी के पद पर किया गया है। किशनगंज के डीएम श्रीकांत शास्त्री को औरंगाबाद का डीएम बनाया गया है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने 50 मोबाइल ऑनरों को किया उनके सुपुर्द



किशनगंज। ऑपरेशन मुस्कान के तहत किशनगंज पुलिस की बड़ी पहल की है। सदर थाना क्षेत्र से बीते दो तीन माह में चोरी हुई विभिन्न कंपनियों के 50 मोबाइल को पुलिस ने विभिन्न स्थानों से बरामद किया है। लगातार हो रही मोबाइल चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लिया। मोबाइल की बरामदगी को लेकर एसपी डा० इनाम उल हक मेगनु के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था। सदर थाना में एसपी डॉ. मेगनु की मौजूदगी में लोगों को बरामद

मोबाइल दिया गया। फिलहाल 40 लोगों को मोबाइल दिया गया। 10 लोग किसी कारण से उपस्थित नहीं हुए। चोरी की मोबाइल बरामदगी को लेकर कुछ माह पूर्व एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी के द्वारा लगातार छापेमारी करते हुए विभिन्न जगह से 50 मोबाइल को बरामद किया गया। मंगलवार को मोबाइल स्वामी को मोबाइल सौंपा गया। ऑपरेशन मुस्कान के तहत मोबाइल फोन को बरामद करके लोगों के चेहरे पर किशनगंज पुलिस द्वारा मुस्कान लौटाया जा रहा है।

सिपाही भर्ती के नाम पर जालसाजी के आरोप में तीन गिरफ्तार

बीएनएम@सहरसा

सदर थाना क्षेत्र के बटराहा मोहल्ले में सिपाही भर्ती परीक्षा में पास करवाने तथा नौकरी दिलवाने का फर्जी एवं अवैध कार्य करने वाले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस एवं अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया। सदर थाना में डीएसपी मुख्यालय एजाज हाफिज मनी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि सदर थाना पुलिस को गस्ती के क्रम में सूचना प्राप्त हुई कि सूरज कुमार उर्फ नीरज कुमार पिता शैलेंद्र सिंह सा.दीघौर वार्ड नंबर 7 थाना बेलदौर जिला खगड़िया जो रानी गली कृष्णा नगर बटराहा स्थित भाड़े के मकान में रहता है।

जो अपने साथियों के साथ मिलकर आगामी होने वाले सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों से रुपया लेकर सेटिंग करके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस वगैरह के माध्यम से परीक्षार्थी को मदद कर पास करवाने एवं नौकरी दिलवाने का फर्जी एवं अवैध काम



कर रहे हैं। प्राप्त उक्त सूचना का सत्यापन एवं कार्यवाही हेतु पुलिस अवर निरीक्षक विक्की रविदास पुलिस बल के साथ रानी गली कृष्णा नगर बटवारा स्थित सूरज कुमार उर्फ नीरज कुमार के घर का घेराबंदी करना प्रारंभ किया गया। तो घर से पुलिस को देखकर तीन व्यक्ति निकाल कर एकाएक ही भागने लगा।

जिसे संदेह होने पर साथ के सशस्त्र बल के

सहयोग से खदेड़ कर भाग रहे तीनों व्यक्ति को पकड़ा लिया गया। जिसमें सूरज कुमार, रामकृष्ण कुमार एवं अक्षय कुमार शामिल थे।

प्राप्त सूचना के आलोक में पकड़े गए सूरज के घर की तलाशी लेना प्रारंभ किया तो तलाशी के क्रम में उक्त घर में अवैध सामान प्राप्त हुआ है। जिसमें एक छोटा मैन पिक बोर्ड वाकीटाकी, एंटीजनर डिवाइस, दो पीस, तीन ब्लूटूथ कॉलिंग डिवाइस, माचिस आकार का दो एटीएम कार्ड, जैसा ब्लूटूथ डिवाइस, वॉकी टॉकी का 3 एयर फोन, कान में एयर पीस डालने वाला दो छोटा चिमटा, एक बाकी ताकि का चार्जर, एक एंटीजनर डिवाइस का चार्जर का सामान एवं कई मोबाइल बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि साथ ही सिपाही भर्ती बोर्ड के परीक्षार्थी के एडमिट कार्ड, मार्कशीट आधार कार्ड सहित कई अन्य सर्टिफिकेट बरामद किया गया है। इसके साथ ही छापेमारी के दौरान पचासी हजार रुपए नकद भी बरामद किया गया है।

उपेक्षा इस तरह की कोई बात अगर होती है तो सहरसा वासी सरकार को हिला कर रख देगी।

पुल निगम कार्यालय को खगड़िया में शिफ्ट करने की हो रही है साजिश : प्रवीण आनंद

बीएनएम@सहरसा। जनपदकोशी प्रमंडलीय मुख्यालय रहने के बावजूद यहां से धीरे धीरे गुपचुप तरीके से महत्वपूर्ण कार्यालय को अन्य जिलों में स्थानांतरित किया जा रहा है जिस कारण स्थानीय लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है। सूत्रों से पता चलने पर कि सहरसा में अवस्थित बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड का प्रमंडलीय कार्यालय अन्य जिला में स्थानांतरण होने वाला है।

कोशी विकास संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा, संरक्षक पूर्व जिला पार्षद प्रवीण आनंद सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार, राम विलास, सुभाष यादव एवं अन्य के साथ विभाग पहुंच कर निरीक्षण कर वहाँ उपस्थित पदाधिकारी एवं स्टाफ से इस गंभीर विषय पर जानकारी प्राप्त की। उन सभी का यही कहना था कि हां एक दो महीने पहले हमलोग भी सुने थे लेकिन अभी कोई पेपर या



मौखिक बातें इस संबंध में नहीं हुई है। आपलोग वरीय अधिकारी से भी बात कर लें। विशेष जानकारी वहीं देंगे। जबकि यहाँ के उच्च पदाधिकारी किसी कार्य से बाहर हैं। जो भी हो यह शंका मिलाजुला कर सही निकला।

बताईये सहरसा के हमारे जन प्रतिनिधियों को ऐसी जानकारी मिली है तो इस पर साकारात्मक बयान नहीं बड़ा ही आना दुर्भाग्य है।

कोशी विकास संघर्ष मोर्चा द्वारा सभी उपस्थित पदाधिकारी और कर्मचारियों को

संबोधित कर स्पष्ट कहा गया है कि इस तरह की कोई बात अगर होती है तो सहरसा वासी सरकार को हिला कर रख देगी। बहुत हो गया हमारे सहरसा के साथ सौतेला व्यवहार अब सहरसा के साथ अन्याय अब बर्दाश्त नहीं होगा। कोशी के विकास संघर्ष मोर्चा कोशी वासियों के लिए सदैव उनके दुख और सुख में खड़ा है और हमेशा खड़ा ही रहेगा।

इससे पहले काडा कार्यालय को हटाया गया, इसके बाद फिर बीएसएनएल से टीडीएम को हटाया गया, आरएमएस को हटाने की साजिश, बालिका गृह नहीं बनने दिया गया। यहां तक कि भूअर्जन कार्यालय को भी हटाने की साजिश हो रही थी जिसको हमलोगों ने रोका। सहरसा के साथ अब तक किया गया सौतेला व्यवहार का अर्थ है सम्पूर्ण सहरसा वासियों के साथ अन्याय है। जिसका परिणाम सरकार के लिए दुखदायी साबित होगा।

सुशील मोदी ने कहा, कांग्रेस का चरित्र हमेशा पिछड़ा विरोधी रहा

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि यदि कांग्रेस ने 1980 में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू की होती या 1989 में इसके लागू होने का विरोध नहीं किया होता, तो आज केंद्र सरकार में पिछड़े वर्ग के सिर्फ तीन नहीं, 30 से ज्यादा अधिकारी होते। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी प्रशासन में ओबीसी अधिकारियों की कमी के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं जबकि यह जख्म खुद उनकी पार्टी और परिवार ने दिये हैं। यह सब इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की राजनीतिक गलती का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 1955 में गठित पहले पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को कूड़ेदान में डाल दिया और अगले 15 साल तक दूसरा आयोग भी नहीं बनाया। 1977 में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर जब मोरारजी देसाई की सरकार बनी तब मंडल आयोग का गठन हुआ। उस सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी शामिल हुए थे।

अब भी विकास से कोसों दूर है केसरिया का बौद्ध स्तूप

विश्व पर्यटन दिवस आज

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। आज विश्व पर्यटन दिवस है। इस दिन को पर्यटन को बढ़ावा देने व इससे संबंधित जागरूकता फैलाने को लेकर समर्पित किया जाता है। इस वर्ष इस दिवस का थीम पर्यटन और हरित निवेश है। लेकिन क्षेत्र स्थित विश्व विख्यात केसरिया बौद्ध स्तूप को इस दिवस से अलग रखा जाता है। अलग रखना इस कारण कहना पड़ रहा है कि यहाँ इस दिवस का कोई प्रभाव नहीं है।

ऐसे कई दिवस बीत गए। फिर भी इस स्तूप की सूरत नहीं बदली। यह स्तूप अब भी विकास से कोसों दूर है। जिससे इस दिवस का कोई महत्व नहीं रह जाता। यून तो यहाँ विकासात्मक कार्यों के होने का दावा तो किया जाता है लेकिन धरातल पर न तो शुद्ध पेयजल की



व्यवस्था है और न ही शौचालय की। जिसके कारण यहाँ आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। पर्यटकों के लिए यहाँ सुलभ शौचालय, शुद्ध पेयजल, बैठने व रहने की व्यवस्था आदि होनी चाहिए। हालांकि पर्यटन विभाग ने स्तूप के करीब कैफेटेरिया का निर्माण कराया है। जो

पर्यटकों के लिए लाभदायक होगा। लेकिन इसके निर्माण के वर्षों बीत जाने के बाद भी इसका शुभारंभ नहीं किया गया है।

उम्मीद है कि इस वर्ष आयोजित होने वाले केसरिया महोत्सव के अवसर पर इसका उद्घाटन हो सकता है। वहीं इसे अब तक बौद्ध सर्किट से नहीं जोड़ा जाना इसकी उपेक्षा को

दर्शा रहा है। हालांकि इसके विकास को लेकर क्षेत्र के कई संगठन समय समय पर आवाज उठाते रहे हैं। महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान सहित क्षेत्र के अन्य संगठन स्तूप के विकास को लेकर हमेशा माँग करते रहे हैं। हाल के दिनों में स्तूप परिसर में गार्डन निर्माण को लेकर एसआई पटना अंचल की अधीक्षक ने कार्य प्रारंभ को लेकर भूमिपूजन किया था। लेकिन यह निर्माण कार्य भी अभी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

इस स्तूप की महत्ता को देखते हुए केसरिया महोत्सव की शुरुआत की गई। पूर्व में केसरिया महोत्सव का नाम भी केसरिया बौद्ध महोत्सव हुआ करता था। लेकिन अब महोत्सव के सरकारीकरण के साथ ही बौद्ध स्तूप से अधिकारियों की नजर हट गयी। लोगों की मानें तो स्तूप राजनीति उपेक्षा का शिकार हो गया है। राज्य सरकार केंद्र की बात कर अपना पाला झाड़ लेती है। वहीं केंद्र सरकार में बैठे स्थानीय जनप्रतिनिधि को इससे कोई लगाव नहीं है।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर किया पौधारोपण

बीएनएम@केसरिया। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मंगलवार को क्षेत्र के कई विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कढ़ान के प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने विद्यालय परिसर में कई पौधे लगाये। साथ ही छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से पर्यावरण संतुलन के लिए पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस समय हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। यदि हमने पौधे नहीं लगाए व उनका ध्यान नहीं रखा तो आने वाले समय में हमें आक्सीजन की कमी एवं अनेकों बीमारियों से ग्रसित होना पड़ेगा। इस मौके पर शिक्षक मनोज कुमार, संजय पासवान, शत्रुंजय कुमार, चंदन भारद्वाज, रेणु कुमारी, छात्र सचिन कुमार समेत अन्य शिक्षक व छात्र मौजूद थे।

गरीब व पिछड़े वर्ग के आयुष्मान कार्ड बनवाने को विधायक ने लगाया शिविर

बीएनएम@शिविवगहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के तहत मंगलवार को बगहा विधानसभा के बड़गांव पंचायत के बड़गांव गांव के महादलित बस्ती में स्थानीय बगहा विधायक राम सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर यहां पर आयुष्मान कार्ड शिविर लगवाया। इस दौरान उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश का कोई भी गरीब पैसा के अभाव में स्वास्थ्य लाभ से वंचित नहीं रहे। इस आयुष्मान कार्ड से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को 5 लाख रुपया तक का स्वास्थ्य बीमा किया गया है। जिसके अंतर्गत आयुष्मान कार्ड लाभार्थियों को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज हो पायेगा, जिससे गरीब एवं पिछड़े वर्ग के लोग सुगमता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राम सिंह के साथ जिला उपाध्यक्ष ऋतु जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष नंदकिशोर राम, जिला महामंत्री अचिंत्य कुमार लल्ला, मंडल



अध्यक्ष जितेंद्र राव, सोशल मीडिया के जिला संयोजक प्रमोद प्रसाद काजु, सह संयोजक नितेश पाठक बगहा ग्रामीण के सोशल मीडिया

के संयोजक घनश्याम कुमार, सिद्धार्थ शंकर सिंह, संदीप कुमार सिंह, भूलन साह, सहित आदि लोग यहां पर उपस्थित रहे।

लाभुकों को समयबद्ध तरीके से निर्धारित मात्रा में उपलब्ध कराएं खाद्यान्न : जिलाधिकारी

नए राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों को 15 दिनों के अंदर करें निष्पादित

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में राशन कार्ड, नयी अनुज्ञप्ति, निरीक्षण, खाद्यान्न आवंटन एवं वितरण, डोर स्टेप डिलीवरी, आधार सीडिंग, धान अधिप्राप्ति आदि के कार्य प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की गयी। समीक्षा के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में जिले में 757333 राशन कार्डधारियों की संख्या है। राशन कार्ड के माध्यम से 3350770 व्यक्ति लाभान्वित हो रहे हैं।

125895 मृत/ पलायन/ विवाहित लड़की लाभुकों की संख्या है, जिनका नाम राशन कार्ड से हटाया गया है। 9998 अपात्र परिवारों का राशन कार्ड रद्द किया गया है। साथ ही 83048 लाभुकों को इस संदर्भ में नोटिस निर्गत किया गया है। उन्होंने



बताया कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, आपूर्ति निरीक्षक के द्वारा इस वर्ष विगत सप्ताह तक कुल-2678 निरीक्षण किया गया है। 1620 से कारणपृच्छा की गयी है। 02 जन्ती के मामले हैं, 04 प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसके साथ ही 07 दुकानों का लाईसेंस निलंबित तथा 08 दुकानों का लाईसेंस रद्द किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि लाभुकों को समयबद्ध तरीके से निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, एवं कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करते हुए कार्यों को ससमय सम्पादित किया जाय। उन्होंने कहा कि पूर्व में दिये गये दिशा-निर्देश का सही पालन हो।

घर का ताला काटकर करीब सात लाख रुपये की संपत्ति हुई चोरी

बेतिया। बानुछापर ओपी क्षेत्र अंतर्गत चोरों ने एक घर का ताला काटकर करीब सात लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर लिया है। यह चोरी की वारदात सोमवार की रात की बताई जाती है। इस भीषण चोरी की घटना से लोगों में चोरों खौफ व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार बानुछापर ओपी के बानुछापर मुहल्ले में अज्ञात चोरों ने मनोज श्रीवास्तव के घर का ताला काटकर आभूषण, नगद व किमती सामान सहित करीब सात लाख रुपए की संपत्ति चोरी कर लिया। इस संबंध में गृहस्वामी के भाई दीपू श्रीवास्तव ने बताया कि उनके भाई मनोज श्रीवास्तव सहपरिवार दिल्ली में रहते हैं। घर में कोई नहीं रहता है तथा ताला बन्द रहता है। सूत्रों का कहना है कि चोरी के दौरान चोरों ने आसपास के घरों के दरवाजा का बाहर से छिटकिनी व घुन्डी लगा दिया था। बताया जाता है करीब एक माह पूर्व भी इसी तरह की वहां के गांव में एक और चोरी की घटना हुयी थी।

संकल्प

संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी के दिशा-निर्देश के अनुसार काम करने की जरूरत है।

बहुजन समाज पार्टी की सुगौली विधानसभा की बैठक आयोजित हुई

बीएनएम@मोतिहारी

बहुजन समाज पार्टी सुगौली विधानसभा की एक बैठक मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष प्रभु राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव ने समाज में फैले हुए अंधविश्वास पाखंड पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि आज अपने बच्चों को शिक्षित बनाने की बहुत ही आवश्यकता होती है।

जिला प्रभारी अधिवक्ता नागेन्द्र सहनी ने बसपा के प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा किये। कांग्रेस और भाजपा के नीतियों कि खुलासा करते हुए इस दोनों पार्टियों को बहुजन विरोधी बताया। बाबासाहेब ने जब अनुसूचित जाति अनुसूचितजनजाति को आरक्षण देने से पहले पिछड़े समाज को संविधान की धारा 340 में प्रावधान करके



पिछड़ा समाज को आरक्षण दिया।

बहुजन समाज पार्टी सिर्फ राजनीतिक दल नहीं बल्कि यह पार्टी बाबासाहेब अम्बेडकर और संतो, गुरुओं व महापुरुषों का मिशन है। हर हाल में बसपा को आगे

बढ़ाना होगा। बहन कुमारी मायावती जी को प्रधानमंत्री बनाना होगा। संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी के दिशा-निर्देश के अनुसार काम करने की जरूरत है। संगठन को विस्तार करने हेतु अधिक से

अधिक संख्या में बहुजन समाज को जोड़ना ही होगा। वहीं बैठक को जिला अध्यक्ष मथुरा राम ने संबोधित करते हुए बसपा सांसद कुंअर दानिश अली पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा किये गये अभद्र, तथा गैरसंवैधानिक शब्द, असभ्य आचरण का विरोध करते हुए बिधूड़ी पर यथा शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।

इस बैठक को रमेश राम, रामजीत राम, तापस राम, रघुनाथ राम, कपल राम, संजय राम प्रखंड अध्यक्ष रामगढ़वा, शम्भू मांझी, जितु मांझी, अविलाश राम, चन्द्र मांझी, सहित आदि लोगों ने संबोधित किया। संगठन का विस्तार करते हुए रमेश राम को विधानसभा कोषाध्यक्ष, रामगढ़वा प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार राम, प्रखंड उपाध्यक्ष शिवचन मांझी, सेक्टर प्रभारी कृष्णा कुमार को बनाया गया।

तपती धूप में भी डाक बम कमरिया का हौसला नहीं हुआ कम

जलवोझी कर जलाअभिषेक के लिए हुए रवाना

जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे एवं पुलिस बल की गई थी तैनाती

अभिराम कुमार



मोतिहारी/पताही देवापुर लालबकया बागमती संगम घाट पर हर हर महादेव के जयकारे एवं गेरुआ रंग वस्त्र पहने हुए संगम स्थल से पवित्र जल लेकर लाखों लाख की संख्या में डाक बम कांवरियों ने भादो मास के अनंत चतुर्दशी के अवसर पर अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर मे जलाभिषेक के लिए दूर से पहुंचे।

पड़ोसी देश नेपाल, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर सहित पूर्वी चंपारण जिले के लाखों लाख की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु देवापुर संगम घाट से पवित्र जल लेकर बड़ी संख्या में डाक बम कांवरियों के जत्थे मंगलवार को

देवापुर संगम स्थल से जल बोझी कर महज 10 से 12 घंटों में 75 किलोमीटर की दूरी तय कर अरेराज के प्रसिद्ध सोमेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए रवाना हुए। देवापुर संगम घाट पर डाक बम कावड़ियों ने जलबोझी कर दोपहर बाद से अरेराज प्रस्थान करने लगे। संस्था होते ही देवापुर से अरेराज के बीच 75

किलोमीटर की सड़क लाखों डाक बम कांवरियों से पट गई। इस दौरान सड़कों के दोनों ओर कावरियों की सेवा के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। जहां फल, गर्म पानी, चाय, नींबू-पानी आदि डाक बम कांवरियों के सेवा में उपलब्ध कराया गया था। पूरे रास्ते में रौशनी की व्यवस्था की गयी है।

डाकबम कांवरिये तेरस को सोमेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के लिए अरेराज में व्यापक तैयारी की गयी थी। भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। जगह-जगह कंट्रोल रूम बनाया गया है। पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों की तैनाती की गयी थी। भक्त देवापुर घाट से जल बोझी कर त्रयोदशी एवं चतुर्दशी को लाखों की संख्या में कांवड़ यात्रा एवं डाक बम कांवरियों के द्वारा बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव को जलाअभिषेक कर कामनाएं किए। बेवस्था में पदाधिकारी नलिन राणा प्रताप एवम पुलिस ने किया है।

समस्त मानव जाति का हित रामचरित मानस में निहित : डॉ. सीताराम झा

मोतिहारी। मुंशी सिंह महाविद्यालय के संस्कृत एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को “रामचरितमानस में वर्णित मूल्यों की वर्तमान में उपादेयता” विषय एक पर दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के प्रारम्भ अपने स्वागत भाषण में हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मृगेन्द्र कुमार ने रामचरितमानस में वर्णित राजधर्म पर भी प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि रामचरितमानस को कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता एवं राजनैतिक लाभ के लिए इस की गलत व्याख्या प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस ने भारतीय संस्कृति तथा सनातन धर्म की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों से ये आग्रह किया कि वे प्रतिदिन कम से कम रामचरितमानस की 10 चौपाई का पाठ करें।



इस व्याख्यान में वक्ता के रूप में लेखक एवं कवि डॉ. सीताराम झा ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम रामचरितमानस के नामकरण की सार्थकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पारिवारिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, भरत का भ्रातृभाव को कई सन्दर्भों के माध्यम से प्रकाशित किया। डॉ. झा ने राम-शबरी संवाद, राम-जटायु संवाद के माध्यम से इस बात का जोरदार खण्डन किया कि मानस दलित विरोधी ग्रन्थ है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने समस्त मानवीय संवेदना को अपने काव्य में स्थान दिया है।

सदर अस्पताल सहित जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में मनाया गया विश्व गर्भनिरोधक दिवस

- परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए किया गया जागरूक

- जागरूकता से आएगी असुरक्षित गर्भपात व शिशु मृत्यु दर में गिरावट

मोतिहारी। जिले के सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों ने जागरूकता के साथ विश्व गर्भनिरोधक दिवस मनाया है। इस दौरान मोतिहारी, चकिया, रक्सौल, ढाका के नर्सिंग स्टॉफ ने बैनर के साथ रैली निकालकर लोगों को छोटा परिवार सुखी परिवार के महत्व को समझाते हुए परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी विधियों को इस्तेमाल करने के लिए जागरूक किया। बताया की हर साल 26 सितंबर को विश्व गर्भनिरोधक दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने बताया की गर्भनिरोधक दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों के बीच गर्भनिरोधक की जरूरत और साधनों के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना है। ताकि गर्भनिरोधक साधन के इस्तेमाल के प्रति नर्विवाहितों

और युवाओं में समझ बढ़े, पुरुषों को कंडोम के इस्तेमाल करने के प्रति प्रोत्साहित किया जाए जिससे यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जानकारी हो और बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण लगाई जा सकें। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छत्तौनी अंतर्गत गांधी नगर रमना वार्ड संख्या- 03 में महिला आरोग्य समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि द्वारा महिला आरोग्य समिति के उद्देश्य के साथ ही प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण एवं परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थायी साधन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, मौके पर संबंधित वार्ड की आशा एवं सेविका उपस्थित रही। बैठक में उपस्थित कुछ योग्य दंपति द्वारा साधन अपनाने हेतु इच्छा व्यक्त की गई जिसके उपरांत उनको साधन उपलब्ध कराया गया। अस्पताल पकड़ीदयाल में विश्व गर्भनिरोध दिवस के अवसर पर पुरुषों ने भी अपनी तत्परता दिखाई है। इसमें जानकारी के उपरांत कुछ पुरुष साथी द्वारा अस्थायी साधन की इच्छा जताने पर अस्पताल की ओर से मनचाहा साधन की छूट दी।

ससुराल में जाकर सनकी पति ने पत्नी को मारा चाकू, मौत

ग्रामीणों ने आरोपी पति को पकड़ जमकर पीटा

बीएनएम@केसरिया। सनकी पति ने धारदार चाकू से गोद कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। वहीं बीच बचाव करने आये साला पर चाकू से वार कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी पति को पकड़ जमकर धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, एसआई रामशरण साह व पीएसआई अंजू कुमारी ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। वहीं महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। घटना मंगलवार की है।

मृतिका थाना क्षेत्र के रामपुर के स्व नरसिंह साह की 30 वर्षीय पुत्री प्रमिला कुमारी थी। जिसका विवाह केसरिया नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नम्बर 11 के मनोज साह से करीब 13 वर्ष पूर्व हुई थी। जानकारी अनुसार विगत कई वर्षों से प्रमिला आपने मायके में रह रही थी। जिसको लेकर पति-पत्नी में विवाद होता रहता



था। मृतिका का पति मनोज बाहर रहकर मजदूरी करता है। करीब तीन दिन पूर्व वह अपने केसरिया स्थित घर आया था। इसके बाद घटना के दिन मनोज रामपुर स्थित अपने ससुराल पहुंचा। जहाँ पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी बीच मनोज ने अपनी पत्नी प्रमिला पर चाकू से वार कर दिया। चाकू प्रमिला के गर्दन व पेट में लगी। जिसके बाद वह बेहोश होकर गिर गई। बीच बचाव करने आये प्रमिला के भाई मुकेश कुमार पर भी मनोज ने चाकू से वार कर दिया। घटना में

दोनों भाई-बहन बुरी तरह से घायल हो गए। जिसके बाद लोगों ने दोनों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहाँ चिकित्सकों ने प्रमिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं मुकेश इलाजरत है। इधर, आरोपी पति को ग्रामीणों ने पकड़ जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मृतिका को तीन पुत्र है। लोगों की मानें तो मृतिका का पति मनोज अपने परिवार में भी अक्सर विवाद करता रहता है। करीब एक वर्ष पूर्व भी उसने अपने भाभी पर चाकू से हमला किया था।

घोटाला कुत्ता काटने का सुई भी पैरवी करने पर ही मिलता है। इन परिस्थितियों में गरीबों को सुई कैसे मिलेगा।

पंचायत समिति की बैठक में नलजल, राशन वितरण व स्वास्थ्य के मुद्दे उठे

तुरकौलिया। पंचायत समिति की बैठक प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में प्रखंड प्रमुख विभा यादव की अध्यक्षता में हुई। पूर्व में हुई बैठक की समीक्षा करते हुए कार्यवाही शुरू की गई। जहां सदन में शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद ने कहा कि कार्यपालक सहायक पंचायत भवन पर नहीं आते हैं। यहां तक की उन्हें पहचानते भी नहीं हैं। जिससे पंचायत का कार्य बाधित होता है। साथ ही कहा कि एडिशनल पीएचसी की हालत ठीक नहीं है। सीएचसी द्वारा कुछ इंस्ट्रुमेंट देना था। जो आज तक नहीं मिला है। मरीजों को चेकअप कराने में दिक्कत होती है। मेडिकल करने के दौरान इंटर्नशिप कर रहे छात्र छात्राओं को समय पर सर्टिफिकेट नहीं दिया जा रहा है। जो एक गंभीर मामला है।

जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तरफ से आए बीएचएम नौशादुल आजम ने कहा कि



सभी शिकायतों का शीघ्र ही हल कर दिया जाएगा। तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के मुखिया रामजन्म पासवान ने कहा कि बैठक के दौरान जो प्रस्ताव लिया जाता है। उसपर कोई अमल नहीं होता है। बैठक खत्म होने के बाद सभी प्रस्तावों को ठंडे बस्ते में डाल दिया

जाता है। बैठक में आए प्रस्ताव पर अमल नहीं होगा तो बैठक कराने का कोई माने मतलब नहीं है। साथ ही कहा कि उनके भी पंचायत में कार्यपालक सहायक नहीं आते हैं। पंचायत समिति सदस्य ईद मुहम्मद ने कहा कि कुत्ता काटने का सुई भी पैरवी करने पर मिलता है।

इन परिस्थितियों में गरीबों को सुई कैसे मिलेगा। जबकि सरकारी अस्पताल में ज्यादातर गरीब व असहाय लोग ही अपना इलाज कराने आते हैं। इसमें सुधार होना चाहिए। तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के मुखिया विनय कुमार ने कहा कि सरकार कर्मियों जनप्रतिनिधियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं रखते हैं। आपसी सामंजस्य जरूरी है।

जिससे विकासात्मक कार्यों को कराने में सहुलियत होगी। वही सदन में नलजल, राशन वितरण व कई मुद्दे उठे। योजनाओं पर चर्चा भी किया गया। सदन को संबोधित करते हुए बीडीओ रमेश कुमार ने कहा कि सदस्यों द्वारा जो शिकायत और सुझाव आया है। सभी को हल किया जाएगा। साथ ही प्रस्तावों पर अमल किया जाएगा। वही सीओ पिंटू कुमार ने कहा कि अंचल संबंधित जो भी सवाल आए हैं। सभी का तुरंत निपटारा कर दिया जाएगा। जांच में

जो भी कर्मी दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध बेझिझक सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मनरेगा पीओ जीतेन्द्र कुमार ने कहा कि तुरकौलिया में मनरेगा द्वारा बहुत बड़ा पार्क बनाने का प्रस्ताव जिला को भेजा गया है। स्वीकृत होने पर निर्माण कराया जाएगा। साथ ही जन उपयोगी योजनाओं के तहत सभी पंचायतों में कार्य होगा। सभी सदस्य योजना का सूची देंगे ताकि निर्माण कार्य चलता रहे। बैठक में प्रमुख विभा यादव, उप प्रमुख शाहिदा बेगम, पंसस उमंग देवी, नीति देवी, ईद मुहम्मद, अमेरिका पासवान, राजकिशोर सिंह, पेटू राय, अशोक यादव, अशरफी महतो, मुखिया सुनील टाइगर, रामजन्म पासवान, अम्बिका पासवान, एजाज अहमद, अशरफ आलम, विनय कुमार, पंसस गुडिया देवी, आरओ सुबोध कुमार आदि सहित सभी पंसस व मुखिया मौजूद थे।

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा



कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं में औरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश

व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वहीं दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकती हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूती हैं तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीतिके समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक 'अच्छी औरतें' और 'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी, खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता

दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ मादा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैंड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार, स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफूज, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, जुम्बिश, शोख जर्द गुजस्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है। मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां

मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित' ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा

का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की



पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)

रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)

प्रथम संस्करण -2021

प्रकाशक बोधि प्रकाशन, जयपुर

मूल्य- 175/-

ईंट साबित होगी।

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भुत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं, ऐसे में उसका क्या भला होगा, उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

के बारे में, अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा ? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है, वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा, फिर आपको उसे खोने से बचना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर

करते हैं, अर्थात विश्वास का मानक क्या है ? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना, अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों, यहाँ पर जानने

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है होगा प्रलय !
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय !
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में, पेट भरेगी,
होगा डयन !
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेगे,
ठेका होगा,
होगा चयन !
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।



नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी



जब कभी..वह आदमी बनना चाहता है थोड़ा सा ईसान,
विरोध के स्वर हो जातें हैं और भी प्रखर !!

जब कभी..वह आदमी थोड़ा सा प्रेम चाहता है समय की दीवारें रचती हैं साजिशें !!

जब कभी..वह आदमी चाहता है

थोड़ा सा एकांत ,
एक शोर गूंजने लगता है अंतस में !!

जब कभी..वह आदमी लिखना चाहता है एक कविता सिर्फ स्वयं के लिए ,
अनपढ़ सी हो जाती हैं सारी इच्छाएं !!

और..
जब कभी..वह आदमी मसीहा कहलाता है परिवर्तित हो जाता है चुपचाप ईश्वर में !!

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़ मुखौटा



सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने, सब्र को आजमाना छोड़ देती है !
साजिशें बुलंद होती हैं, जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है !

रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है !
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं !

मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं !
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाइयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरती हैं !

बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें, मूक तमाशबीन बनती हैं !

बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करती हैं !
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलती हैं !

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब और हो सकता है खतरनाक?



संजीव ठाकुर

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ़्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई , सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

,जॉर्डन,मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग

कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई

अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है।

यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने

में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है।

राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है। हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर



अशोक मथुर

आज हमारा ध्यान बच्चों की शिक्षा पर है। उन्हें योग्य बनाने पर है।योग्य भी इतना की 100 में 95 अंक पाना भी स्वीकार नहीं। पेपर के निर्धारित पूरे अंक चाहिए। इन सबके बीच हम बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान नहीं दे पा रहे। बच्चों की शिक्षा पर माता पिता का ध्यान ज्यादा है। बच्चों के शारीरिक विकास पर नहीं। बच्चों के मानसिक विकास पर नहीं, जबकि जरूरी है कि बच्चों को जीवन जीना सिखाया जाए।

विपरीत समय में कैसे बचे, सुरक्षित रहे, या कोई नही बता रहा जबकि बहुत जरूरत है सभी बच्चों को जीवन जीना सीखने की कला सिखाई जाए।उन्हें प्रत्येक विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार किया जाए। उन्हें बताया जाए कि किसी आपदा या संकट में फंस जाएं तो उससे कैसे बचे।

कोलंबिया के अमेजन के जंगल में मई में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में लापता हुए चार बच्चे घटना के 40दिन बात जीवित मिले। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो ने यह घोषणा की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो ने शुक्रवार देर रात ट्विटर पर कहा, पूरे देश के लिए खुशी की बात है! कोलंबिया के जंगल में 40 दिन पहले लापता हुए चारों बच्चे जिंदा मिल गए हैं।

उन्होंने सैन्य और स्वदेशी समुदाय के कई सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की, जो भाई-बहनों लेस्ली जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (13), सोलेनी जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (9), टीएन रानोक मुकुतुय (4) और क्रिस्टिन रानोक मुकुतुय (1) की थी। एक बयान में राष्ट्रपति ने इसे मैजिकल डे करार दिया, और कहा- ये अकेले थे, उन्होंने जीवन संघर्ष का ऐसा उदाहरण पेश किया, जो इतिहास में बना रहेगा। गौरतलब है कि एक मई को, सेसना 206 लाइट एयरक्राफ्ट अमेर्जनस प्रांत में अरराकुआरा और ग्वावियारे के एक शहर सैन जोस डेल ग्वावियारे के बीच उड़ान भरने के दौरान गायब हो गया। दुर्घटना के बाद से

शिक्षा देने के साथ बच्चों को जीने की कला भी सिखाएं

खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है। पिछले महीने विमान का मलबा और पायलट तथा दो वयस्कों के शव मिले थे। उड़ान के शुरुआती घंटों में ही पायलट ने इंजन के फेल होने की सूचना दी और आपातकालीन अलर्ट जारी किया। इसके बाद विमान घने जंगल में जाकर क्रैश हो गया। दुर्घटना के परिणामस्वरूप पायलट और बच्चों की मां मागदालेना मुकुटुय सहित तीन वयस्कों की मौत हो गई और उनके शव विमान के अंदर पाए गए। जबकि 13, नौ, चार साल और बारह महीने के चारों बच्चे 40 दिन बाद जीवित पाए गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे उन्हें देख कर बेहद खुशी हुई क्योंकि बच्चों ने जंगल के बीच में अकेले अपना बचाव किया था। रेस्क्यू टीम को बच्चों के पास से कुछ फल मिले हैं। बता दें कि चारों बच्चे आपस में भाड़ बहन हैं। इन बच्चों ने खुद के लिए झाड़ियों का छोटा एक घर भी बना लिया था। इस घर में ये चारों एक साथ पाये गए। खुद को जीवित रखने के लिए इन बच्चों ने 40 दिन तक घने जंगल में पेड़ों से फल तोड़कर खाए। सर्च डाग ने इनके गिरे फल से ही इनका पता लगाया। हालांकि चालिस दिन में ये बच्चे बहुत कमजोर हो गए थे। इन बच्चों के दादा फिर्देशियो वैलेंशिया ने बताया कि दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में जिंदा रहना जानता है तो वह वह मुकुतुय परिवार का हो सकता है। इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी जंगल में जिंदा रहने वाली कला से बखूबी वाकिफ थे। उन्होंने बताया हुई तो तो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र में ही शिकार करना, मछली पकड़ना और खाने पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं।

कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुय ने बताया

उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वे खानदान के दूसरे लोगों के साथ जिंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए कहा कि जब हम सब बचपन में खेल खेलते थे तो हम छोटे-छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं क्योंकि जंगल में बहुत से फल जहरीले मिलते हैं। लेस्ली को छोटे बच्चे का ख्याल रखना भी अच्छी तरह आता था। दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लेस्ली ने फैरून नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला। जब तक यह आटा रहा तब तक यह बच्चे इसी पर गुजर करते रहे. बच्चों की तलाशी अभियान में हिस्सा लेने वाले हुई तूतो समुदाय के बुजुर्ग एडमिन पाखी ने बताया कि आटा खत्म होने के बाद चारों बच्चे जंगली फल के बीज खाने लगे. इन्हीं बचे मिले फल से बच्चों की खोज हुई।

बच्चों के दादा कहते हैं कि मुकुतुय परिवार के बच्चों को बचपन से ही विपरीत परिस्थिति में जंगल में आदमी के जीने की कला सिखाई जाती है। कोलंबिया में मुकुतुय परिवार को यह कला सिखाई जाती है किंतु हिंदुस्तान में तो प्रायः सरकारी स्कूल के कक्षा तीन से लेकर कक्षा आठ तक सारे बच्चे ये कला सीखते हैं। ये शिक्षा है स्काउट की। इसमें स्काउट (लड़के) / गाइड (लड़कियों) को बताया जाता है कि जंगल में फंसने पर पेड़ पौधों की छाल से कैसे रोटी बनानी है। तवा ना होने पर भी पत्थर पर कैसे रोटी को सेकनी है। बिना माचिस कैसे आग जलानी है। वन में रास्ते पर चलते निशान लगाते चलना है कि पीछे आने वाले को सुविधा रहे। बिछड़े साथियों की टीम के लिए किस तरह का इशारा करना है। जंगल में जरूरत पर रस्सी से कैसे पुल तैयार करना है। मुसीबत में फंसे साथी की कैसे मदद करनी है। एक वाक्य में इन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनना सिखाया जाता है।

स्काउट/गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं के शारिरिक, बौद्धिक, समाजिक, भावात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

किंतु जब से प्राइवेट क्षेत्र में शिक्षा का चलन बढ़ा तब से यह सब खत्म हो गया। सीबीएसई/आइसीएसई शिक्षा में नंबर ज्यादा आने से बच्चों के अभिभावकों का बच्चों से ज्यादा उनकी पढ़ाई पर ध्यान रहने लगा। उनका दबाव रहता है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा नंबर लाएं। इसीलिए स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने का चलन जोर पकड़ गया। आज की प्राइवेट शिक्षा में छोटी क्लास से लेकर इंटर तक का बच्चा पढ़ाई की मशीन बनकर रह गया। स्कूल में आठ घंटे लगाने के बाद बच्चों को सभी सब्जेक्ट की ट्यूशन पढ़ने हैं। चार सब्जेक्ट की ट्यूशन के लिए चार घंटे चाहिए। एक ट्यूशन से दूसरे ट्यूशन तक जाने के लिए बच्चों को लगभग तीन से चार घंटे लगते हैं। इस तरह से आज के बच्चे और किशोर 15 से 16 घंटे पढ़ाई के लिए तैयार होने और पढ़ाई पर लगते हैं। इसके बाद भी मां-बाप का दबाव रहता है कि स्कूल और ट्यूशन का होमवर्क करना है। इतना सब होने के बाद बच्चे और किशोर को खेलने के लिए और अपने व्यक्तिगत विकास के लिए समय नहीं मिलता। आज के मां-बाप का इस बच्चे के व्यक्तिगत विकास पर उनका ध्यान नहीं उनका जितना जोर बच्चों की पढ़ाई पर है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अशरफ याकूबी

ग़ज़ल

लब चुप हुए तो दीद-ए-तर बोलने लगे, गूंगे थे जितने ज़ख़्मे जिगर बोलने लगे।

हम भी ज़बां संभाल करते हैं गुफ्तगू, जब से हमारे नूरे नज़र बोलने लगे।

ऐसा बनाओ बहुत के ज़माने के सामने,



संजय 'तल्ख'

ग़ज़ल
पुरखौफ़ कमसिनी का मज़ा हम से पूछिये
उस्ताद की छड़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

शाइर भी बन गये हैं बने फ़लसफ़ी भी हम
बर्बाद ज़िंदगी का मज़ा हमसे पूछिये।।

होता नहीं है इस में ज़माने का डर कोई
बेगम से आशिक़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

मानो न मानो मय की ये लज़्ज़त बढ़ाएंगी
शिद्दत की तिश्नगी का मज़ा हम से पूछिये।।

अपने ग़मों की सोच के हम ख़ुद ही हँस पड़े
हल्की सी बे-ख़ुदी का मज़ा हम से पूछिये।।

मंदिर में सुब्ह शाम की ड्यूटी से बच गए
यानी कि क़ाफ़िरी का मज़ा हम से पूछिये।।

इस इब्तिदा-ए-इश्क़ से पहले के दौर में
अंदाज़-ए-बरहमी का मज़ा हम से पूछिये।।

पाबंदियाँ अरूज़ की चूल्हे में डाल कर
बे-बहर शाइरी का मज़ा हम से पूछिये।।

आँसू हमारे साफ़ न दिख पाएँ 'तल्ख' को
धुंधली सी रौशनी का मज़ा हम से पूछिये।।

आज़र तुम्हारा दस्ते हुनर बोलने लगे।

पहले खिलाफ़े जुल्म तो वो बोलते न थे,
क्यूं आज हो के सीना सिपर बोलने लगे।

कुछ ऐसा एहतमाम किया जाए ज़श्न का,
दीवार बोलने लगे दर बोलने लगे।

क्या मसलेहत पसंदी उन्हें रास आ गई,
रख कर किसी के पांव पे सर बोलने लगे।

अशरफ तुम्हारी शायरी का यह कमाल है,
लफ़्ज़ों के सारे ज़ेरो ज़बर बोलने लगे।

ये एक्सरसाइजेस आपको रखेंगी फिट और स्मार्ट

अपने स्वास्थ्य को लेकर हम सभी कुछ नई और अच्छी हैबिट्स अपनाने की सोचते हैं जिसमें फिटनेस सबसे टॉप पर होता है लेकिन कैसी एक्सरसाइजेस से इसकी शुरुआत करें ये समझ नहीं आता। किसी को अपना पेट कम करना है तो किसी को वेट, वहीं किसी को बाइसेप्स बनाने हैं तो किसी को ओवरऑल बॉडी टोन करनी है। इसकी वजह से और ज्यादा कन्फ्यूजन हो जाती है।

तो अगर आपने भी खुद को फिट रखने का वादा कर लिया है, तो हम आपको सजेस्ट करेंगे कुछ ऐसे ईजी वर्कआउट्स, जो आपको फिट एंड फाइन रखने के साथ ही अपर से लेकर बॉडी तक के लिए हैं बेहद फायदेमंद। तो डाइट के साथ इन एक्सरसाइजेस को भी बनाएं अपने रूटीन का हिस्सा। जिसका असर आपको अपनी बॉडी पर कुछ ही दिनों में नजर आने लगेगा।

कई बीमारियां दूर रहेंगी और आप लंबे



समय तक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

जंपिंग जैक

जंपिंग जैक बेसिक लेकिन बेहद फायदेमंद एक्सरसाइज है। इस एक्सरसाइज को करने से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही थाईज़ भी स्ट्राना होती हैं। पेट की चर्बी कम होने लगती

है। इस एक्सरसाइज को करने से पहले हाथ और पैरों की हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग जरूर कर लें, जिससे इंजुरी की संभावना कम हो जाती है।

स्किपिंग रोप

रस्सी कूदना भी आसान एक्सरसाइज में



जाने के बाद आप इसे बढ़ा भी सकते हैं। एक सेट में कम से कम 30 से 50 बार जंप करने की कोशिश करें।

स्क्वाट जंप

स्क्वाट जंप भी ओवरऑल बॉडी को टोन करने

शामिल है। इसका असर भी आपको काफी कम दिनों में देखने को मिल सकता है। इसके रोजाना दो से तीन सेट्स करने की को शि श करें। अच्छी प्रैक्टिस हो

वाली बेहतरीन एक्सरसाइजेस में से एक है। इसे करने से बॉडी में ब्लड का सर्कुलेशन सही तरह से होता है। जिससे कई सारी समस्याएं दूर रहती हैं, साथ ही कम समय में अच्छी-खासी कैलोरीज़ बर्न की जा सकती है।

सर्दियों में वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम

सर्दियों के मौसम में भी वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम सुबह ही है। इसकी वजह है कि सुबह एक्सरसाइज कर लेने से पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

वर्कआउट करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जो पूरे दिन आपको एक्टिव रखने में मदद करता है। ठंड में सुबह उठकर कसरत करने के लिए आलस्य छोड़ना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन अपने हेल्थ को ध्यान में रखते हुए, एक्सरसाइज के लिए सुबह का समय ही चुनें।

जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए रोजाना करें मकरासन

आजकल जोड़ों में दर्द आम समस्या है। इस स्थिति में व्यक्ति को जोड़ों में कम या तेज दर्द होता है। कभी-कभार यह दर्द असहनीय हो जाता है। इस वजह से चलने, उठने और बैठने में दिक्कत होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी की वजह से जोड़ों में दर्द होता है। इसके अलावा, थकान, चोट और बढ़ती उम्र के चलते भी जोड़ों में दर्द होता है।

इस बीमारी से वयस्क अधिक प्रभावित होते हैं। हालांकि, आजकल कम उम्र के लोगों में भी गठिया के लक्षण देखे जाते हैं। अगर आप

भी जोड़ों में दर्द से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो रोजाना योग और एक्सरसाइज करें। योग के कई आसन हैं। उनमें एक मकरासन है।

इस योग को करने से जोड़ों में दर्द की समस्या से निजात मिलता है। आइए, मकरासन के बारे में सबकुछ जानते हैं-

मकरासन

मकरासन दो शब्दों मकर और आसन से मिलकर बना है। आसान शब्दों में कहें तो मकर की मुद्रा में बैठना मकरासन कहलाता है।

यहां मकर का तात्पर्य मगरमच्छ से है। मगरमच्छ शांत चित से नदी में लेटा रहता है।



इस योग को करने के दौरान मगरमच्छ के समान शांत चित होकर लेटना रहता है। इस योग को करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। साथ ही तनाव से भी राहत मिलता है। इसके अलावा, बढ़ते वजन को भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

मकरासन कैसे करें

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर पेट के बल लेट जाएं। इस योग को खाली पेट करना फायदेमंद होता है। अब दोनों कोहनियों को जमीन पर फैलाकर सोने की मुद्रा में आ जाएं। आसान शब्दों में कहें तो अपने सिर को दोनों हाथों पर रखें। वहीं पैरों के

बीच दूरी बनाकर रखें।

इसके अलावा, आप कोहनियों को जमीन पर टीका कर आगे की ओर मुख कर ध्यान मुद्रा में भी मकरासन कर सकते हैं। इस दौरान अपने पैरों की उंगलियों को जमीन से स्पर्श करें। आप इस मुद्रा में मगरमच्छ की भांति विश्राम करते हैं।

मानसिक थकान को दूर करने के लिए आजमाएं ये आसान टिप्स

क्या आप हमेशा थका हुआ और ऊर्जाहीन महसूस करते हैं? क्या आपको लंबे समय से तनाव का अनुभव हो रहा है? अगर हां, तो यह मानसिक थकान का संकेत हो सकता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान होना आम बात है। व्यस्त जीवनशैली में हम अक्सर कई चीजों को एक साथ निपटाने की कोशिश करते हैं। लंबे समय से काम और तनाव के कारण शरीर के साथ-साथ हमारा दिमाग और मन भी थक जाता है।

अक्सर लोग मानसिक थकान को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना आपकी शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। तो अब सवाल यह उठता है कि मानसिक थकान को कैसे दूर करें? आज हम आपको मानसिक थकान को दूर करने के उपाय बताने जा रहे हैं

1. धूप में बैठें

अगर आप हर समय खुद को थका हुआ महसूस करते हैं, तो रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठें। यह खुद को रिचार्ज करने का सबसे सरल

तरीका है। सूरज की रोशनी से हमारे शरीर और दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोज धूप में बैठने से शरीर में विटामिन डी की आपूर्ति होती है, जिससे आप ऊर्जावान महसूस करते हैं। इसके लिए दिन में कम से कम 30 मिनट के लिए धूप में जरूर बैठें।

2. अच्छी और गहरी नींद लें

मानसिक थकान को कम करने के लिए अच्छी और गहरी नींद बहुत जरूरी है। नींद पूरी न होने के कारण आपकी मानसिक थकान बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए पूरे दिन में कम से कम 8 घंटे जरूर सोएं। अगर आपको नींद से



जुड़ी कोई परेशानी है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

3. ब्रेक लें

लगातार काम करते-करते आपका शरीर ही नहीं, दिमाग भी थक सकता है। मानसिक थकान के कारण आपको किसी भी काम पर फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में, दिमाग की थकान मिटाने के लिए काम के बीच में कुछ छोटे-छोटे ब्रेक लेना मददगार हो सकता है। इसके लिए थोड़ी देर के लिए काम से दूर हो जाएं और बॉडी की स्ट्रेचिंग करें। इस समय में आप एक कप कॉफी या अपने पसंदीदा संगीत का आनंद ले सकते हैं। ब्रेक लेने से आप खुद को रिलैक्स और रीफ्रेश महसूस करेंगे।



4. व्यायाम करें

मानसिक तनाव से बचने के लिए अपने रूटीन में व्यायाम को शामिल करें। रोजाना व्यायाम करने से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने की कोशिश करें।

इससे आपकी मानसिक थकान कम होगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आप रोजाना ध्यान और योग का अभ्यास भी कर सकते हैं।

5. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से ब्रेक लें

आजकल की डिजिटल दुनिया में हमारा ज्यादातर समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ गुजरता है। दिनभर मोबाइल और लैपटॉप आदि से जुड़े रहते हैं। इससे हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। मानसिक थकान से बचने के लिए टेक्नोलॉजी से ब्रेक लें। खुद को कुछ समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर करके आप मानसिक तौर पर फ्रेश महसूस करेंगे।